तेरे दिल के द्वार पर यीशु खटखटाता

खोलों तुम दरवाजा वह है आना चाहता

1. बनना चाहता है वह हां हां

तेरा ही मेहमान आज

तेरा रंज-ओ गम सब

वह उठाना चाहता

2. खुशी अपनी देता हां हां

होवे तू जलाली

रात दिन तेरे साथ ही

वह है रहना चाहता

3. नर्म आवाज से बोलता हां हां

मुआ तेरे वास्‍ते

छोड़ो बदसलुकी

खोलो दर मैं आता

4. तेरी खातिर मैने हां हां

पहना ताज कंटीला

तुझको अब जलाली

ताज हूँ मैं पहनाता।

5. बेवपफा न हो तू-हां-2

मेरे खूँन खरीद

कर मेरा इकरार तू-

मुझ से क्‍यों शरमाता

6. खोलता हूँ दरवाजा हां हां

दिल का ए मसीहा

आ और इसमें रह तू

मैं हूं दिल से चाहता।

7. यीशु प्‍यारो कहता हां

कीमती वक्‍त है जाता

वक्‍त गया जो प्‍यारो-

वापिस पिफर न आता ।